10वीं बाद तीन वर्षीय डिप्लोमा
राज्य का सबसे बड़ा महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय
श्रीदेवी महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज
हनुमानगढ़ जंक्शन
-:सम्पर्क सूत्र: 9414310972

पोस्टल रजि.नं. जयपुर शहर/118/2024-26

राजस्थान का सर्वाधिक लोकप्रिय साप्ताहिक

मरु राजस्थान

प्रधान सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक आर.के.जैन के लिए यंगलीडर प्रेस, चाकसू का चौक, घी वालों का रास्ता से मुद्रित एवं सी-31/बी, जगन पथ, चौमू हाऊस, सी-स्कीम, जयपुर-302001 से प्रकाशित

प्रधान सम्पादक : आर.के. जैन
प्रबन्ध संपादक: संजय जैन
मो. 9414338310, 9414338312 फैक्स: 0141-2204245
e-mail-marurajasthan@yahoo.co.in

जयपुर एवं श्रीगंगानगर से एक साथ प्रसारित

केन्द्र एवं राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

आर.एन.आई. नं. 48373/88 वर्ष - 40 अंक - 50 जयपुर, 13 दिसम्बर 2025 शनिवार वार्षिक -100 रुपए प्रति दो रूपए कुल पृष्ठ - 8

सीएम की उद्यमियों से प्रदेश में निवेश की अपील

आप उद्योग लगाओ, हम जरूरी सुविधाएं देंगे : सीएम शर्मा

बड़ी कम्पनियों के साथ 1 लाख करोड़ के किए समझौते

पधारे पावणां, आपणे आगणां
प्रवासी राजस्थानी दिवस महाकुंभ में जुटे देश-विदेश के उद्यमी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानियों से अपील की है कि वे राजस्थान में आए और अपनी माटी पर उद्योग स्थापित करें। राज्य सरकार उनको वो सारी सुविधाएं देगी, जिनकी उनको जरूरत हैं। राजस्थान में इस समय निवेश करने का माहौल है, इसे हाथ से नहीं जाने दे। उद्योगों को पानी देने के साथ ही 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराएंगे। हम आपसे वादा करते हैं कि हम आपको किसी तरीके की परेशानी नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री बुधवार को यहां सीतापुरा स्थित जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में दो साल में सब बदल गया है। प्रवासियों के लिए हमने अलग विभाग भी बनाया है। हम युवाओं के लिए भी नई नीति लाए है, और उन्हें नौकरी मिल रही है। अब वे खुद का उद्योग लगाकर नौकरियों भी दे सकेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 14 जनाए राजस्थान कैंटर की भी घोषणा की। साथ ही 13 नीतियां भी जारी की। इस अवसर पर राज्य सरकार ने बड्डी कम्पनियों के साथ 1 लाख करोड़ के लिए समझौते भी किए।

प्रवासी राजस्थानियों ने देश-विदेश में नाम कमाया : कटारिया

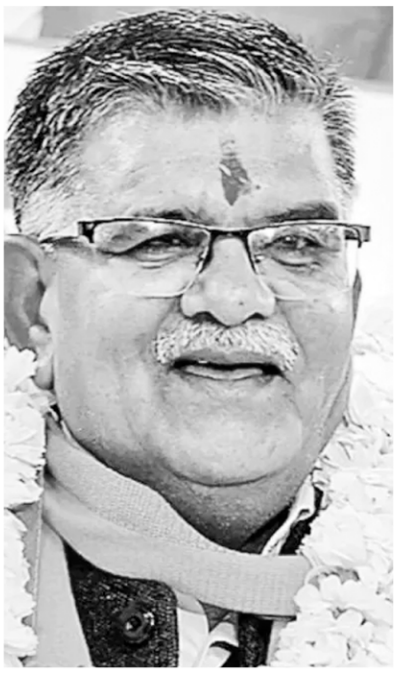

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि वेदांता ग्रुप के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल की तारीफ की और कहा कि हम जितनी पैरवी राजस्थान की प्रवासियों के बीच नहीं कर सके, उससे ज्यादा तो अकेले अनिल अग्रवाल ने कर दी। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी देश-विदेश में राजस्थान का नाम रोशन किया है। कटारिया ने कहा कि राजस्थान शूरवीरों की धरती है। यहां के लोगों ने धरती के लिए बलिदान दिया है, तो धरती ने भी उसके बदले में राजस्थानियों को बहुत कुछ दिया है। मैं तो फिलहाल टेंपरेरी प्रवासी हूं। आज केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने तो मुझे ही प्रवासी बना दिया। उन्होंने कहा कि में तो यही पला पढ़ा हूं। मेरी पूरी जिंदगी यही निकली है। दरअसल, अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुलाबचंद कटारिया को प्रवासी कहकर संबोधित कर दिया था। यहां की जमीन खनिज के साथ-साथ सोना भी उगलती है। कटारिया ने कहा कि बांसवाड़ा का एक गांव भूखिया है, जहां पर सोना मिला है।

मैं तो टेंपरेरी प्रवासी : कटारिया

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने तो मुझे ही प्रवासी बना दिया। उन्होंने कहा कि मैं तो यही पला-बढ़ा हूं। मेरी पूरी जिंदगी यहीं निकली है। मैं तो टेंपरेरी प्रवासी हूं। कटारिया ने कहा कि यहां की जमीन खनिज के साथ सोना भी उगलती है। अतीत में जब प्रदेश अकाल और संकट से गुजरता था, तब प्रवासी राजस्थानियों ने आगे बढ़कर सहायता की और पशुधन को बचाने तथा शिक्षा के केंद्र स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने भविष्य में भी सभी प्रवासियों से राजस्थान के निरंतर विकास में सहयोग देने की अपील की।

एक टिकट से 4 से 5 फिल्म....राजस्थान जरूर आएं

राजस्थान में पर्यटन के लिए बहुत सारे विकल्प बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान से निराला कोई प्रदेश नहीं है, हमारे यहां डेजर्ट हैं, झीलें हैं, अभयारण्य, किले, महल, शेखावाटी की हवेलियां हैं। कोई अगर घूमने जाता है तो वह एक ही जगह जा पाता है और एक ही जगह देख पाता है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति राजस्थान आएगा तो एक टिकट में 4 से 5 फिल्म देखकर जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों से आह्वान किया कि वह अपने परिवार के साथ हर साल दो बार राजस्थान जरूर आएं। उन्होंने कहा कि मां बच्चों की कभी नहीं भूलती और बच्चे मां को कभी नहीं भूलते। मेरा आग्रह है कि आप साल में कम से कम दो बार अपने परिवार के साथ राजस्थान जरूर आएं ताकि आपके अपने बच्चे और नाती-पोते अपनी जड़ों, अपनी कहानियों और अपनी पहचान से जुड़े रहें। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प में राजस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमने गत वर्ष राइजिंग राजस्थान समिट के दौरान 35 लाख करोड़ के समझौते किए थे। आज एक लाख करोड़ रूपए के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग के साथ 8 लाख करोड़ के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश 24 से अधिक नई नीतियों के साथ निवेश के लिए देश के सबसे पसंदीदा राज्य के रूप उभरा है।

राजस्थान को सूखा-भूखा मत मानोः बागड़े

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने प्रवासी राजस्थानियों से कहा कि आप राजस्थान को सुखा और भूखा मत मानो। उन्होंने सीएम भजनलाल शर्मा से कहा कि प्रवासी राजस्थानियों से निवेश ही मत मांगों, बल्कि उनको खुद को ही मांग लो। उन्हें कहो कि वह कब तक प्रवासी रहेंगे, वह यहीं पर आ जाए।

आचार्यश्री महाश्रमणजी सिरियारी में - चित्रमय झलकियां

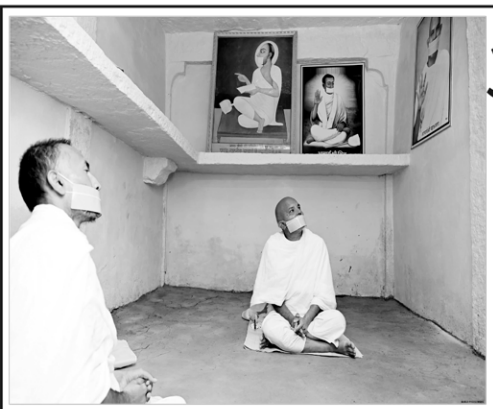

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी अपनी धवल सेना सह आचार्य भिक्षु समाधि स्थल, सिरियारी विराज रहे है।

आचार्यश्री के दर्शनार्थ पहुंचे हरियाणा व पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया

श्रीचरणों में मेवाड़ राजघराने के लक्ष्यराज सिंह मेवाड़।

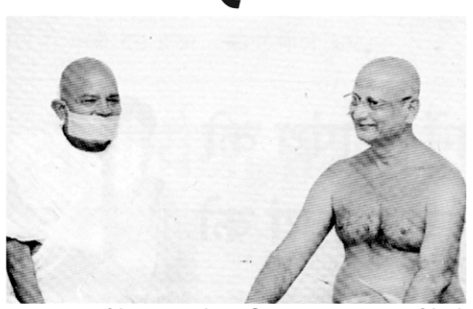

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी एवं दिगंबर परम्परा के आचार्यश्री श्री पुलकसागरजी का आध्यात्मिक मिलन

संपादकीय

राजनीतिक विरोधी एक-दूसरे के व्यक्तिगत विरोधी बन गए हैं

देश की आजादी से पहले और आजादी के बाद लगभग 5 दशकों तक राजनेताओं को आम जनता द्वारा बहुत सम्मान दिया जाता था। लेकिन यह सम्मान लगातार कम होता जा रहा है, जिसका मुख्य कारण राजनेताओं का भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और आरामदायक जीवन है। राजनेताओं पर ध्यान देने की जरूरत है। अगर जल्द ही इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो जनता से उन्हें मिल रहा बचा खुचा प्यार और सम्मान भी छिन जाएगा। इसके अलावा आजकल के राजनेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाकर सामाजिक रिश्तों को भी तोड़ते हैं। इन राजनेताओं ने 'पगड़ी-उछाल' को जीवन का अभिन्न अंग बना लिया है। राजनेताओं ने राजनीतिक रूप से एक-दूसरे का विरोध करने के बजाय व्यक्तिगत रूप से एक-दूसरे का विरोध करके राजनीति में नकारात्मकता और तनाव पैदा कर दिया है। राजनीतिक विरोधी एक-दूसरे के व्यक्तिगत विरोधी बन गए हैं, जबकि विचारों और नीतियों के आधार पर विरोध करने की जरूरत है। राजनीतिक दलों के नेताओं को सादा जीवन जीना चाहिए और जनता के बीच आम आदमी की तरह व्यवहार करना चाहिए। उन्हें जनता से वही वादे करने चाहिएं जो सत्ता में आने पर पूरे किए जा सकें।

आत्मा सो परमात्मा आदमी सबसे ताकतवर

शरीर, मन, बुद्धि से लेकर अन्तकरण के स्थान में भगवान ने निश्चित रूप से इन्सान को एक विशेष योग्यता, मौलिकता और गुण देकर के भेजा है। उन्होंने इन्सान के अन्दर वो सारी शक्तियां और विभूतियां सजाकर के रख दी हैं, जो स्वयं परमेश्वर के भीतर थी और इसलिए इन्सान को भगवान का अंश कहकर पुकारा जाता है। इन्सान के भीतर वो ही विभूतियां है, वो ही शक्तियां हैं, जो भगवान के भीतर है या हो सकती है। एक जैसी शक्तियां, एक जैसी विशेषताएं, दोनों के ही भीतर देखने को मिल जाती है। शक्तियों की दृष्टि से देखें तो हम अन्य प्राणियों की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली और सामर्थ्यवान हैं। सम्भव है कि शारीरिक बल की दृष्टि से हम हाथी, शेर, गैडें इत्यादि से कमतर सिद्ध हों, परन्तु तब भी क्या यहा सत्य नहीं कि ये इन्सान हाथी पर महावत बनकर, शेर पर रिंग मास्टर बनकर और घोड़े पर घुड़सवार बनकर सवारी करता नजर आता है। ऐसा इसलिए है कि बौद्धिक दृष्टि से, आत्मिक दृष्टि से, जो शक्ति इन्सान के पास है, वो दूसरों को नसीब नहीं है। इसलिए जहां हम शारीरिक दृष्टि से कम पड़ते हैं, तो वहां इन दिक्कतों से पार पाने के लिए हमने दूसरे मार्ग खोज लिए हैं। जैसे हम चीते से तेज नहीं दौड़ सकते हैं, पर हमारी बनाई कार दौड़ सकती है। हम हाथी से ज्यादा वजन नहीं उठा सकते, पर हमारी बनाई क्रैन तो उठा सकती है। हम मछली की तरह डुबकी नहीं लगा सकते, पर हमारी बनाई पनडुब्बी लगा सकती है। हम चिड़िया की तरह उड़ नहीं सकते पर हमारा बनाया हवाई जहाज उड़ सकता है। कहने का अर्थ मात्र इतना है कि ईश्वर ने इन्सान को ऐसी बौद्धिक क्षमता देकर भेजा है कि जिन जिन क्षेत्रों में हम दूसरे प्राणियों से पिछड़ते दिखे इसलिए हम किसी से कम नहीं आदमी सबसे ताकतवर है।

आमदनी के अनुसार ही खर्च करें

मनुष्य को जीने के लिए धन की जरूरत पड़ती है। वह मेहनत करके अपना और अपने परिवार का पेट पालता है। इस ढंग के साथ जीवन की जरूरतें पूरी करता है। धन आता है और चला जाता है। वह एक पंछी की तरह है जो एक स्थान पर नहीं टिकता। एक साधारण व्यक्ति को आय और खर्च को बजट के अनुसार चलाना पड़ता है। अमीरों को तो धन 2 नंम्बर की कमाई से आता है। यही कारण है कि वे इस कमाई का इस्तेमाल अंधाधुंध करते हैं। अमीर धन को जुए, शराब के माध्यम से खर्च करते हैं। आमदनी 2 तरह की होती है। निश्चित और अनिश्चित। नौकरी की आमदनी निश्चित होती है मगर फसलों और मजदूरी इत्यादि की आमदनी अनिश्चित होती है। एक साधारण व्यक्ति की आय उसकी सख्त मेहनत से आती है। इसीलिए उसे सोचना पड़ता है कि खर्च किस तरह से करें। वह खर्च में कंजूसी भी करता है मगर कई बार ऐसे खर्च भी करने पड़ते हैं जो जरूरी होते हैं। गृहस्थी में आदमी को समाज का ख्याल रखते हुए खर्च करने पड़ते हैं। जो व्यक्ति खर्च करते समय आमदनी का ध्यान नहीं रखता वह कर्जा लेता है, इस तरह बर्बादी की राह चुनता है। छोटी-छोटी बचतें करके धन को बचाया जा सकता है। व्यक्ति को आमदनी और खर्च का बजट बनाकर चलना चाहिए। बचत किया गया धन किसी अचानक आई मुसीबत के वक्त काम आ सकता है। व्यक्ति को अपनी चादर देख कर पैर पसारने चाहिएं। एक साधारण व्यक्ति को सफल और खुशी भरा जीवन बसर करने के लिए जरूरत से ज्यादा खर्चों से बचना चाहिए।

इतिहास के झरोखे से

राजस्थान के राजाओं-नेताओं-उद्योगपतियों तथा कई अन्य प्रतिभाओं ने संविधान बनाने में दिया था योगदान

(ज्योति न्यूज सर्विस)। अपनी रियासतों को सहज में ही सौंपने वाले राजपूताना के राजा महाराजाओं ने गणतंत्र भारत का संविधान बनाने में भी बड़ा योगदान दिया। संविधान सभा में राजस्थान के इक्कीस सदस्यों में यहां के राजा महाराजा और जागीरदारों को भी शामिल किया गया। संविधान सभा का गठन निर्वाचन पद्धति के आधार पर किया गया था। संविधान सभा के 389 सदस्यों में से 93 सदस्य भारत की पूर्व रियासतों और रजवाड़ों के राजा महाराजा एवं उनके प्रतिनिधि थे। इनमें जयपुर रियासत से वीटी. कृष्णामचारी को सभा का उपाध्यक्ष बनने का सौभाग्य मिला।

जयपुर से राजा मांधाता सिंह गीजगढ़, खेतड़ी के राजा सरदार सिंह बहादुर, बीकानेर महाराजा के सचिव जसवंत सिंह, डूंगरपुर से महाराजा नगेन्द्र सिंह, कोटा से ले. कर्नल दलेल सिंह थे। अन्य सदस्यों में राजस्थान के मनोनीत मुख्यमंत्री हीरालाल शास्त्री, भरतपुर से राजबहादुर, उदयपुर से माणिक्य लाल वर्मा एवं बलवंत सिंह मेहता, केएम पणिक्कर, टीविजय राघवाचार्य, सीएस वैंकटाचारी थे। भीलवाड़ा शाहपुरा से गोकुल लाल असावा, जोधपुर से जयनारायण व्यास, अजमेर से मुकुट बिहारी लाल भार्गव, अलवर से रामचंद्र उपाध्याय, मेवाड़ से मोहन सिंह मेहता, सिरोही से गोकुल भाई भट्ट, डॉ. एनबी खरे थे। इसके अलावा प्रवासी राजस्थानियों में पश्चिम बंगाल से प्रभुदयाल हिम्मत सिंहका, बिहार से बनारसी दास झुनझुनवाला एवं उत्तर प्रदेश से पदम पत सिंहानिया थे। मूल संविधान में राजस्थान के कला मर्मज्ञ कृपाल सिंह शेखावत का योगदान रहा। उन्होंने हस्तलिखित मूल संविधान के भाग एक के पहले पन्ने को कलात्मक ढंग से संवारा। एडवोकेट सूर्य प्रताप सिंह राजावत के पास मौजूद संविधान की प्रति के पहले पेज की कलाकृति में बांयी ओर कृपाल सिंह शेखावत के हस्ताक्षर उनकी कृति के गवाह है। संविधान में वैदिक काल के कुलगुरु, रामायण के राम सीता लक्ष्मण के वनवास से लौटने के एवं श्रीकृष्ण के अर्जुन को उपदेश देने के चित्र बने हैं। गौतम बुद्ध, महावीर, विक्रमादित्य, शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, टीपू सुल्तान, रानी लक्ष्मीबाई, महात्मा गांधी तथा भारत माता को आजाद कराते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस को भी संविधान में दर्शाया गया है।

अरिहंत ग्लोबल ने मनाया 12वाँ वार्षिकोत्सव, 'मिशन 100 टीम' थीम के साथ ऊर्जा से भरपूर भव्य उत्सव बढ़ता राजस्थान : अरुण अग्रवाल

जयपुर (कासं)। डिजिटल सेवाओं, मोबाइल संचार सुविधाओं और आधुनिक तकनीकी समाधानों में अग्रणी संस्था अरिहंत ग्लोबल ने इस वर्ष अपना 12वाँ वार्षिकोत्सव अत्यंत जोश, उत्साह और पारिवारिक वातावरण में मनाया। इस वर्ष समारोह का मुख्य विषय 'मिशन 100 टीम-ऊर्जा के साथ उत्सव' रखा गया, जिसका उद्देश्य आने वाले समय में 100 से अधिक सदस्यों वाली सशक्त, प्रशिक्षित और ऊर्जावान टीम का निर्माण करना, डिजिटल रोजगार सृजन, फ्रेंचाइजी सेगमेंट में प्रवेश करना है। यह भव्य समारोह काश्वी बैंक्वेट, खंडेलवाल ढाबेवाला, जयपुर में आयोजित हुआ, जहाँ संस्था के सभी कर्मचारियों के साथ उनके परिवारजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और अधिक आत्मीय व उल्लासपूर्ण हो गया। समारोह में उद्योग, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र के सम्मानित अतिथियों डॉ. अरुण अग्रवाल ने अरिहंत ग्लोबल की 12 वर्षों की विकास यात्रा, टीम-संस्कृति, नवाचार तथा समाज के प्रति योगदान की सराहना की।

प्रवासी राजस्थानियों का आजादी में अनूठा अनुरकरणीय योगदान

जयपुर (कासं)। भले ही जनमानस में यह धारणा हो कि प्रवासी राजस्थानी केवल व्यापार-व्यवसाय में ही अग्रणी है, लेकिन उनका राजकाज व राजनीति में भी उतना ही योगदान रहा है। राजपूताना में वे कई राजा-महाराजाओं के मंत्री व सलाहकार के रूप में अहम भूमिका निभाकर युद्धों और क्रांतियों में बढ़-चढ़कर भाग लेते रहते थे। इतिहास में ऐसे कई प्रवासियों का वर्णन मिलता है जो अपने शौर्य व पराक्रम के लिए विष्व-विख्यात रहे हैं। जब भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का वर्चस्व बढ़ने लगा तो वहां प्रवासी राजस्थानियों ने व्यापारिक हितों की तिलांजलि देकर अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह का बिगुल बजा दिया था। बाद में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में भी राष्ट्रीय भावना का प्रदर्शन किया।

इस बात के कई प्रमाण हैं कि ढ़ाई सौ से अधिक प्रवासी इस संग्राम में फांसी पर चढ़ा दिए गए थे। इनमें सेठ रामजीदास गुड़वाला, सेठ मटोल चन्द अग्रवाल, अमर चन्द बांठिया, हुकमचंद जैन, फकीरचंद, श्रीकिसन सारड़ा, भगवान दास माहेर, मनोहरलाल महावर सहित अनेकानेक प्रवासी शामिल हैं। कई तो ऐसे परिवार रहे हैं जिनके सभी सदस्यों को निर्दयतापूर्ण तरीके से अंग्रेजों द्वारा फांसी के फंदे पर लटका दिया गया। इन सैकड़ों क्रांतिकारियों के अमिट त्याग व बलिदान को इतिहासकारों न्यायोचित तरीके से उल्लेखित नहीं कर पाए। नाना साहब पेशवा व अन्य क्रांतिकारियों ने स्वीकार किया था कि प्रवासी राजस्थानियों ने स्वतंत्रता आंदोलन के लिए सर्वस्व समर्पण कर दिया था। भूमिका भामाशाह और नगर सेठों के रूप में भी रहीं और जमीनी आंदोलन के कारण फांसी पर चढ़ने व आजीवन कारावास की सजाएं भोगने में भी रहीं। जब स्वतंत्रता आंदोलन ने गति पकड़ी तो प्रवासी युवाओं का यही उत्साह एक जुनून में बदल गया और वे राष्ट्रीय आंदोलन में कूद पड़े। गांधीजी के पांचवे पुत्र के रूप में जमनालाल बजाज व उनके सहयोगी रहे घनश्यामदास बिड़ला का आजादी में योगदान तो सर्वविदित है ही, लेकिन उन हजारों-लाखों प्रवासियों की कुर्बानी व उनके पचास करोड़ रुपए से अधिक के आर्थिक योगदान को इतिहासकारों ने अनदेखा किया है। जबकि वे देश की स्वतंत्रता के आधार स्तम्भ रहे। यदि उनके नाम उल्लेखित किए जाए तो एक अतिरिक्त पुस्तक बन सकती है।

आरएफसी ने 212 करोड़ के लोन किए मंजूर

जयपुर (कासं)। राजस्थान वित्त निगम की शुक्रवार को 70वीं वार्षिक साधारण सभा की बैठक उद्योग भवन में आयोजित की गई। जिसमें वित्त वर्ष 2024-25 के कार्यों और आने वाले वर्ष की योजनाओं पर चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता सीएमडी सुबोध अग्रवाल ने की। इस दौरान एसीएस उद्योग शिखर अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक डॉ. हर सहाय मीणा व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

व्हाट्सअप पर खूब चला...

SIR की दिलचस्प बातें

SIR फॉर्म क्या आया- पूरा समाज पानी पूरी वाली लाइन की तरह खड़ा हो गया। तीन कालम का फॉर्म, लेकिन इतना ठेठ कि अच्छे-अच्छे पढ़े-लिखे लोगों का हम तो सब जानते हैं वाला भ्रम फट से टूट गया।

-रिश्तों की रियलिटी चेक-स्ट्रक्र ने साफ बता दिया- मां-याप, दादा-दादी ही असली रिश्ते हैं, बाकी सब जान-पहचान सूची में आते हैं। और मजेदार बात ये कि बेटियां शादी के बाद कितनी भी दूर चली जाएँ, रिश्ता मायके से ही साबित होता है- कागजों में, समाज में, और दिल में भी।

-टूटे हुए रिश्तों में नेटवर्क सिग्नल वापस - सालों से बात न करने वाले लोग अब फॉर्म भरवाने के नाम पर बीवी के मायके जा रहे हैं, बेटियाँ गाँव लौट रही हैं और लोग दस्तावेज ढूंढते-ढूंढते वंश-वृक्ष खोज रहे हैं। SIR ने वो रिश्ते जोड़ दिए जो व्हाट्सऐप भी नहीं जोड़ पाया।

-पुरानी यादें झरोखों में- लोग आज फिर वही जगह ढूंढ रहे हैं जहां मां-बाप रहा करते थे, दादा-दादी की छाया थी और बचपन की धूल थी। किराएदार अपने मां-बाप का नाम उसी मकान मालिक से पूछ रहे हैं, जिसे कभी किराया देना पड़ता था। इतिहास अब फेसबुक पोस्ट नहीं-घर-घर की खोज बन गया है।

-शिक्षा की असली औकात सामने - स्ट्रक्र ने बता दिया-यह दुनिया पैसा नहीं, दस्तावेज मांगती है। शिक्षा सिर्फ नौकरी नहीं, अपना वंश और पहचान जानने की योग्यता भी है।

-सबसे चुभता सच-जब किसी से पूछा- तुम्हारे दादा-दादी, नाना-नानी का नाम तो आधे लोग नेटवर्क खोजते हैं, बाकी आधे गूगल नहीं, मम्मी को कॉल करते हैं।

ये सिर्फ जानकारी नहीं- कटी हुई जड़ों की निशानी है।

अब हंसने की बारी...

पत्ति और पत्नी दोनों एक कार एक्सीडेंट में मारे गए। पति भूत बन गया और पत्नी चुड़ैल।

कुछ समय बाद दोनों आपस में मिले तो पत्नी अपने पति को देखकर बोली, अरे कितने अजीब लग रहे हो आप भूत बनकर।

पति बोला, पगली तू तो बिल्कुल नहीं बदली।

.....

एक अमरीकी अपने भारतीय दोस्त से मिलने आया। कुछ देर बातचीत के बाद बोला, आपके देश की महिलाएं कितनी महान हैं।

भारतीय, अच्छा, वो कैसे?

अमरीकी, जब मैं अपने किसी दूसरे भारतीय दोस्त के घर गया था तो देखा कि उसकी पत्नी उसकी शर्ट की सिलाई कर रही थी और सिलाई के बाद उसकी शर्ट को चूम लिया। मेरी इच्छा है कि हमारी पत्नियों को भी यह प्यार और सम्मान सीखना चाहिए।

भारतीय बोला, अरे वह शर्ट को चूम नहीं रही थी बल्कि दांतों से उसका धागा काट रही थी।

.....

भिखारी (आदमी से), भगवान के नाम पर कुछ दे दो साहब।

आदमी (गुस्से से), शर्म नहीं आती भीख मांगते हुए ? कोई काम-धंधा करो।

भिखारी, साहब मैं कोई आम भिखारी नहीं हूं। मैंने 'रुपए कमाने के 100 आसान तरीके' नामक किताब लिखी है।

आदमी, तो फिर तुम भीख क्यों मांगते हो ?

भिखारी, क्योंकि यह उस किताब में बताया गया सबसे आसान तरीका है।

.....

पति (पत्नी से), तुम्हारे पिता की हमेशा जले पर नमक छिड़कने वाली आदत अब तक गई नहीं ?

पत्नी, अब क्या हो गया?

पति, आज फिर फोन करके पूछ रहे थे कि मेरी बेटी से शादी करके खुश तो हो न ?

.....

एक आदमी कहीं जा रहा था तो रास्ते में किसी दूसरे आदमी ने उसे रोक कर पूछा भाई साहब ! भाभी जी 'लैफ्टी' हैं क्या ?

पहला, जी हां पर आप आपको कैसे पता?

दूसरा, क्योंकि आपका दायां गाल लाल हुआ पड़ा है।

वरिष्ठ पत्रकार कमलेश गोयल का देवलोकगमन

वरिष्ठ युवा पत्रकार कमलेश गोयल पिछले कुछ दिन से दिल्ली के वेदांता अस्पताल में हृदय संबंधी उपचार ले रहे थे। उनका ठीक से ऑपरेशन भी हो गया था। जयपुर आ गए थे, लेकिन अचानक फिर तबियत बिगड़ी, जो उन्हें हमसे दूर कर गई। उनका अंतिम संस्कार मानसरोवर के श्मशान में किया गया। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करे। ईश्वर उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। सादर नमन। ऊँ शांति

प्रवासी राजस्थानियों की 10 हजार हवेलियों को बचाने की मुहिम

हैरिटेज टूरिज्म से जुड़ेंगी हवेलियां, सरकार ने शुरू की संरक्षण की पहल

राजस्थान की ढहती धरोहरों का प्रवासी करेंगे जीर्णोद्धार, सरकार देगी सुरक्षा व इंफ्रास्ट्रक्चर

जयपुर (कासं)। राजस्थान की ढहती धरोहरों को बचाने और संरक्षित करने के लिए बड़ी मुहिम शुरू की जा रही है। राज्य सरकार ने खत्म होती हवेलियों को बचाने के लिए प्रवासी राजस्थानियों को साथ लिया है। शेखावटी, नवलगढ़, सीकर, जैसलमेर, बीकानेर, जयपुर, झुंझुनूं और चूरू जैसे कई शहरों में 9 से 10 हजार हवेलियां हैं, जिनमें से ज्यादातर प्रवासियों राजस्थानियों की है। जीर्ण-शीर्ण स्थिति में कई हवेलियों पर कब्जे हो गए तो कुछ को तोड़कर कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स बना दिए गए हैं।

प्रवासी राजस्थानी दिवस से ठीक पहले मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचा तो अफसर हरकत में आए। मंशा है कि मौजूदा हवेलियां को बचाने के लिए उन्हें आमदनी का स्थाई मॉडल बना दिया जाए, ताकि इनका संरक्षण सके। इसके लिए विभिन्न गतिविधियों के संचालन की भी छूट दी जा सकती है।

प्रवासी राजस्थानियों की ज्यादातर हवेलियों पर ताले लगे हैं, जिससे वे जीर्णशीर्ण स्थिति में पहुंच गईं हैं। सरकार की मंशा है कि ऐसी सभी हवेलियों को हेरिटेज टूरिज्म से जोड़ा जाए। यही जानकारी प्रवासी राजस्थानियों को भी दी जा रही है। उन्हें भरोसा दिलाया गया है कि सरकार वहां बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करेगी और वहां किसी तरह का कब्जा या दिक्कत नहीं आए, इसके लिए सुरक्षा भी देगी, ताकि वे हवेलियों का पुनर्निर्माण कर उन्हें उपयोगी बना सके।

इनका दायरा बढ़ाने की तैयारी

1- हैरिटेज गेस्ट हाउस और होटल।
2- आर्ट गैलेरी, म्यूजियम।
3- क्राफ्ट व कल्चरल सेंटर
4- म्यूजिक ट्रेनिंग सेंटर
5- पारंपरिक फूड सेंटर व सांस्कृतिक गतिविधियां।

इन पर गौर करे सरकार

1- जयपुर में कई हवेलियां कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स में तब्दील हो चुकी हैं।
2- शेखावटी इलाके में करीब 500 हवेलियां तोड़ी जा चुकी हैं।
3- नवलगढ़ में 300 में केवल 165 हवेलियां बचीं हैं।
4- बीकानेर में 2 हजार से अधिक हवेलियां थीं, अब संख्या घटकर करीब 1100 रह गईं हैं।

हवेलियों वाला इलाका बनेगा 'वॉकेबल एरिया': जिन क्षेत्रों में ये हवेलियां हैं, उन्हें 'वॉकेबल एरिया' घोषित किया जाएगा। यानि, ऐसे क्षेत्रों में पैदल घूमने, देखने और स्थानीय संस्कृति को महसूस करने की सुविधा बढ़ाई जाएगी। इससे पर्यटन और व्यापार दोनों को फायदा होगा।

150 साल पुरानी हवेली: झुंझुनूं मांडवा की इस हवेली को मोहनलाल सर्राफ ने बनवाया था। यह हवेली महीन पेंटिंग के लिए प्रसिद्ध है। इस हवेली को सर्राफों से जोशी परिवार ने खरीद लिया है। हवेली की दुर्दशा को सुधार करके होटल में तब्दील करना चाहते हैं। कुछ कमरे तैयार भी हो गए हैं।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति फतहनगर जिला-उदयपुर

क्रमांक : लेखा/2025-26/ दिनांक :

निविदा सूचना 2025-26 एवं 2026-27

सर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मण्डी समिति, फतहनगर में वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के 12 माह (दिनांक 01.01.2026 से 31.12.2026 तक) की अवधि हेतु निम्नांकित सुविधा / कार्य व्यवस्था मदों के लिए पंजीकृत / अनुभवी संवेदको/आपूर्तिकताओं / संस्थाओं से निर्धारित प्रपत्र में मोहर बन्द निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 09.12.2025 से दिनांक 17.12.2025 को प्रातः 10.30 ए.एम. तक विक्रय की जाकर दिनांक 17.12.2025 को प्रातः 11.30 ए..एम. तक प्रस्तुत की जा सकेगी। प्राप्त निविदाएं उसी दिन (17.12.2025) दोपहर 02.00 पी. एम. उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख खोली जावेगी। निविदा सम्बन्धी विस्तृत शर्ते एंव अन्य विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in, http://agriculture.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

प्रशासक
कृषि उपज मण्डी समिति
फतहनगर, जिला-उदयपुर

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति
फतहनगर, जिला-उदयपुर

कार्यालय नगर पालिका पिलानी जिला-झुंझुनूं (राज.)

क्रमांक:-न.पा.पि./2026-27/2181 दिनांक:- 10.12.2025

प्रारूप-10

(नियम 6 (7) देखिए ।

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपलिका पिलानी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न खातेदारों द्वारा नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग में लेने के कारण इस कार्यालय द्वारा खातेदारों के अभिधृति अधिकारों को निर्वापन के लिए कार्यवाही किया जाना प्रस्तावित है अर्थात:-

आवेदक का नाम	रकबा	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.
श्री योगेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री रामनिवास मण्डेलिया हास्टल के पास पिलानी	1.23 है.	पिलानी झुंझुनूं	पिलानी	1705/282

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 10.12.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिका पिलानी

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति विशिष्ट श्रेणी (अनाज), बूंदी, जिला बूंदी-(राज.)

कृषि विपणन राजस्थान

धरती पुत्र को मिले फसल का सही दाम

E-Nam पर करें विक्रय, पाएं इनाम

eNAM

राजस्थान के कृषकों के लिए अनूपम भेंट

कृषक उपहार योजना-2022

किसान भाई पोर्टल पर खुली नीलामी से अपनी फसल विक्रय कर पाएं

इसका सही दाम एवं उपहार कूपन के माध्यम से 2.50 लाख तक का पुरस्कार जीतने का अवसर भी

सार्वजनिक विज्ञप्ति

यह योजना दिनांक 01.01.2022 से राज्य की मण्डी समितियों में लागू है। कृषि उपज का ई-नाम के माध्यम विक्रय करने तथा e-Payment के माध्यम से भुगतान प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने हेतु एवं कृषकों को अपनी उपज का अधिकारिक लाभ दिलाने के उद्देश्य से यह योजना लागू की गई है। योजना में आंशिक संशोधन उपरान्त योजना उन सभी व्यक्तियों पर प्रभावी होगी, जो दिनांक 01.01 2026 से जो कृषक अपनी कृषक उपज को ई-नाम के माध्यम से विक्रय करेंगे। प्रत्येक दस हजार (या इसके गुणक) के ई-भुगतान पर ई-नाम पोर्टल के माध्यम से उपहार कूपन के नम्बर जारी किया जावेगा, जिस पर मण्डी शुल्क देय हो। इस योजना पर होने वाला समस्त व्यय राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा वहन किया जाता है। प्रत्येक 06 माह उपरान्त उन्ही मण्डीयों में लॉटरी से पुरस्कार देय होगें जिनमें 06 माह में न्यूनतम 120 e-Payment हुये हो। खण्ड स्तर पर लॉटरी से पुरस्कार निकाले जाने हेतु वहीं मण्डी योग्य होगीं, जिनमें मण्डी स्तर पर पुरस्कार देय हुये हो। राज्य स्तर पर पुरस्कार हेतु वह सभी मण्डीयों के पूर्ण वर्ष कूपन शामिल होगें। जिनमें प्रथम अथवा द्वितीय 06 माह में कम से कम एक बार लॉटरी निकाले जाने की योग्यता प्राप्त की हो।

कृषक उपहार योजना में पुरस्कारों का विवरण

मण्डी स्तर पर पुरस्कार

e-Payment पर कृषकों को	e-Payment पर व्यापारियों को
प्रथम पुरस्कार (1) 50 हजार	प्रथम पुरस्कार (1) 10 हजार
द्वितीय पुरस्कार (1) 30 हजार	द्वितीय पुरस्कार (1) 05 हजार
तृतीय पुरस्कार (1) 20 हजार)	तृतीय पुरस्कार (1) 02 हजार

अवधिः प्रत्येक छः माह में

खण्ड स्तर पर पुरस्कार

e-Payment पर कृषकों को	e-Payment पर व्यापारियों को
प्रथम पुरस्कार (1) 50 हजार	प्रथम पुरस्कार (1) 20 हजार
द्वितीय पुरस्कार (1) 30 हजार	द्वितीय पुरस्कार (1) 10 हजार
तृतीय पुरस्कार (1) 20 हजार)	तृतीय पुरस्कार (1) 05 हजार

अवधिः प्रत्येक छः माह में

राज्य स्तर पर पुरस्कार

e-Payment पर कृषकों को	e-Payment पर व्यापारियों को
प्रथम पुरस्कार (1) 2.50 लाख	प्रथम पुरस्कार (1) 50 हजार
द्वितीय पुरस्कार (1)1.50 लाख	द्वितीय पुरस्कार (1) 20 हजार
तृतीय पुरस्कार (1) 1.00 लाख	तृतीय पुरस्कार (1) 15 हजार

अवधि : वार्षिक

किसान भाईयों के लिए राज्य सरकार की अनुपम भेंट

कृषक उपहार योजना में लाभ उठाने के लिए किसान भाई कृषि विपणन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें।

1. किसान भाई अपने खून पसीने से पैदा की गई उपज को नियमित कृषि उपज मंडियों में लाये तथा ई-नाम पोर्टल पर खुली निलामी द्वारा अधिकतम मूल्य प्राप्त करें तथा ई-पेमेंट के माध्यम से भुगतान प्राप्त कर उपज पर अधिकाधिक लाभ उठायें।
2. ई-नाम पोर्टल पर कृषि उपज के विक्रय के हिसाब से विक्रय पर्ची तथा ई-भुगतान पर ई-कूपन मंडी समिति कार्यालय से प्राप्त करें।
3. प्रत्येक 10 हजार या इसके गुणांक की ई-विक्रय पर्ची तथा ई-भुगतान पर कृषकों को जारी विक्रय पर्ची पर मंडी समिति द्वारा ई-कूपन जारी किया जायेगा। कृषक उपहार योजना के अंतर्गत निम्न प्रकार से पुरस्कार दिये जायेंगे।
4. विक्रय पर्ची और उपहार कूपन को सुरक्षित रखें। दोनों को प्रस्तुत करने पर ही पुरस्कार दिया जायेगा।
5. फटे/विकृत या टेम्पर्ड कूपनों पर पुरस्कार देय नहीं होगा।

किसान भाई मंडी प्रागंण में अपनी उपज बेचान कर इस योजना का भरपूर लाभ उठायें।

सपनों को साकार बनायें कृषक उपहार योजना अपनायें

अधिक जानकारी के लिए कृषि उपज मण्डी समिति विशिष्ट श्रेणी (अनाज) बूंदी, जिला- बूंदी के कार्यालय में सम्पर्क करें

" आम के आम गुठलियों के दाम कृषक उपहार योजना का यह पैगाम "

सचिव,
कृषि उपज मण्डी समिति विशिष्ट श्रेणी
(अनाज) बूंदी, जिला बूंदी-(राज.)

हैप्पी बर्थडे सोनिया जी

नई दिल्ली में संसद परिसर स्थित अपने कार्यालय में केक काटतीं सोनिया गांधी। सोनिया गांधी मंगलवार को 79 वर्ष की हो गई। इस मौके पर मल्लिकार्जुन खरगे,राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव सहित कई सांसद उपस्थित थे।

सांवलिया सेठ को ढाई किलो चांदी पर सोने की परत चढ़ी बंदनवाल भेंट

प्रसिद्ध कृष्णधाम श्रीसांवलिया जी सेठ में एक भक्त ने मनोकामना पूरी होने पर ढाई किलो वजनी चांदी से बनी बंदनवाल भेंट की। बंदनवाल पर 250 ग्राम सोने की परत चढ़ी है। राजभोग आरती के बाद भगवान सांवलिया सेठ के मंदिर में गर्भगृह के बाहर बंदनवाल लगाई गई।

बज गई बंगाल की रणभेरी

कोलकाता में मतता के गढ़ में गीता पाठ, 5 लाख लोग जुटे

कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में भगवद गीता पाठ का आयोजन हुआ। कार्य म में गीता के 1, 9 व 18 अध्याय का पाठ किया गया। इसमें करीब 5 लाख लोग शामिल हुए। आयोजन सनातन संस्कृति संसद ने किया था। इसमें बंगाल के राज्यपाल बोस, धर्म गुरु स्वामी प्रदीप्तानंद महाराज, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री समेत कई लोग शामिल हुए। पाठ का उद्देश्य बंगाल की आध्यात्मिक विरासत को याद करना और धार्मिक ग्रंथों के माध्यम से सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना बता गया। उधर टीएमसी से निलंबित हुमायू कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखी तथा एक राम मंदिर बनाने का निर्णय लिया गया। सभी का एक्शन अगले साल होने वाला चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है।

टिब्बी एथेनॉल फैक्ट्री का विरोध

किसान आंदोलन में बन गई सहमति, मांगों का रिव्यू होगा

-गड़बड़ी मिली तो हट सकती है एथेनॉल फैक्ट्री

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जिले के टिब्बी (राठीखेड़ा) में आंदोलन शुक्रवार रात स्थगित हो गया। प्रशासन और किसान प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई वार्ता में कई मुद्दों पर सहमति बनी। फैक्ट्री में गड़बड़ी मिलने पर हटाने का आश्वासन दिया गया। इसके साथ ही किसानों की मांगों को लेकर रिव्यू होगा। शुक्रवार को भी टिब्बी में इंटरनेट बंद रहा। उपद्रव मामले में 107 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। 40 लोग हिरासत में लिए जा चुके थे। इससे पहले एथनॉल फैक्ट्री को राठीखेड़ा क्षेत्र में किसी भी हालत में संचालित न होने देने के संकल्प के साथ किसानों ने 17 दिसम्बर को कलक्ट्रेट पर महापंचायत करने की घोषणा की थी। जिसमें किसान नेता राकेश टिकैत, सासंद अमराराम, गुरमीत सिंह चडूनी और जोगेन्द्र सिंह उग्राहा सहित कई बड़े किसान नेताओं को आना था। इसे लेकर शुक्रवार को गुरुद्वारा सिंह सभा में प्रेस वार्ता कर किसान नेताओं ने प्रशासन और सरकार की कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगा आंदोलन को निर्णायक मोड़ पर ले जाने की चेतावनी दी थी।

प्रशासन की रिपोर्ट पर उठाया सवाल

इससे पहले किसानों ने प्रशासन की रिपोर्ट पर सवाल उठाते कहा कि प्रशासन की रिपोर्ट में टिब्बी, राठीखेड़ा क्षेत्र में जिस जमीन पर फैक्ट्री स्थापित की जा रही है, उसे बंजर बताया गया है। किसानों ने इसे पूरी तरह झूठ करार देते कहा कि जिस जमीन का ठेका 50 हजार रुपए प्रति बीघा तक आता है, वह जमीन बंजर कैसे हो सकती है। यह रिपोर्ट केवल फैक्ट्री के पक्ष में वातावरण बनाने के लिए तैयार कराई गई है।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, चाकसू (राज.)

Email:- kums.chaksu@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- प.1 (12) कृउमस-चाकसू/आवंटन/रिक्त दुकान-भूखण्ड/00086/19201332 दिनांक :- 12.12.2025

आवंटन- विज्ञिप्ति

कृषि उपज मण्डी समिति, चाकसू के मुख्य मंडी प्रांगण चाकसू में चिन्हित व रिक्त भूखण्ड का वेयरहाउस हेतु अचल सम्पत्ति आवंटन नीति 2005 व संशोधित प्रभावी प्रावधानों के अन्तर्गत नियमानुसार निर्धारित शर्तों पर द्वितीय / पश्चात्तवर्ती चरण में 99 वर्षीय लीज पद्धति पर आंवटन किया जाना है। इस हेतु इच्छुक व्यक्ति/फर्म/ मण्डी समिति के अनुज्ञापत्रधारियों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। रिक्त भूखण्डों का विवरण निम्नानुसार हैः-

नाम मण्डी प्रांगण	चिन्हित/रिक्त भूखण्डों का विवरण			आवंटन दर	आवेदन शुल्क	धरोहर राशि
	भूखण्ड आवंटन का प्रयोजन	भूखण्ड साईज	रिक्त भूखण्ड संख्या			
मुख्य मण्डी प्रांगण चाकसू	वेयरहाउस	100'00''×45'00''	01	आवंटन के समय मण्डी प्रांगण की प्रभावी डी.एल.सी. दर की 50 प्रतिशत दर	500/- रू.	आवेदक द्वारा प्रस्तुत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में आंकलित परियोजना लागत की 01 प्रतिशत राशि अथवा 10.00 लाख रु. जो भी कम हो।

इस हेतु इस हेतु आवेदन पत्र किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में आवेदन शुल्क राशि मण्डी कोष में जमा करवाकर इस कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर अपेक्षित पूर्तियों के पश्चात् आवेदन पत्र मय अपेक्षित दस्तावेज व धरोहर राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट / बैंकर्स चैक जो कि सचिव, कृषि उपज मण्डी समिति, चाकसू के नाम देय हो सहित दिनांक 05.01.2026 को सायः 5.00 बजे तक मण्डी समिति कार्यालय में जमा करवाया जा सकता है।

गठित समिति द्वारा भूखण्डों का आवंटन तत्समय प्रभावी व निर्धारित नियमों एंव प्रक्रिया अनुसार किया जावेगा एवं उक्त आवंटन में राईजिंग राजस्थान समिट 2024 में राज्य सरकार के साथ जिन फर्मों / उद्यमियों ने एमओयू किया हुआ है उनको भी सम्मिलित किया जावेगा। उक्त के सन्दर्भ में मण्डी प्रांगण का ले-आउट प्लान एंव विस्तृत नियम व शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में इस कार्यालय या विभागीय वेबसाईट http://agriculture.rajasthan.gov.in/mandi पर देखी जा सकती है।

प्रशासक **सचिव**

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी) अजमेर, जिला अजमेर- (राज.)

कृषि विपणन राजस्थान

मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना

कृषि विपणन राजस्थान

कृषि विपणन निदेशालय द्वारा कृषि उपज मण्डी समितियों के सहयोग से संचालित

-: दुर्घटना, जिनमें सहायता राशि देय :-

● कृषकों/खेतीहर मजदूरों द्वारा कृषि कार्य में कृषि यंत्रों का उपयोग करते हुए (जिसमें खेती से सम्बन्धित सिंचाई कार्य भी संचालित है) दुर्घटना में मृत्यु या अंग-भंग होने पर	● अपने अथवा किराये के साधन, जिसमें काश्तकार स्वयं हो, मण्डी में कृषि उपज लाते समय रास्ते में हुई दुर्घटना में अंग भंग होने या मृत्यु होने पर अथवा कृषि उपज बेचकर अपने या किराये के साधन से गांव लौटते समय (अगले दिन तक) में हुई दुर्घटना में अंग भंग या मृत्यु होने पर
● सिंचाई कार्य हेतु कुआं खोदते समय, ट्यूबवैल स्थापित करते समय एवं ट्यूबवैल संचालित करते समय बिजली का करंट लगने तथा खेत से गुजरने वाली विद्युत लाईन के क्षतिग्रस्त होने से मृत्यु या अंग भंग होने पर	● काश्तकार/खेतिहर मजदूर के कृषि प्रयोजनार्थ ट्रैक्टर, बैलगाड़ी, ऊंटगाड़ी आदि से घर से खेत में जाते/आते समय दुर्घटना होने पर मृत्यु या अंग भंग होने पर।
● कृषकों द्वारा खेतों में फसलों, फल-सब्जियों पर रासायनिक दवाईयों आदि का छिड़काव करते समय दुर्घटना में मृत्यु होने पर	● राज्य में कुट्टी काटने की मशीन अथवा कृषि संयंत्रों से कृषक/मजदूर पुरूषों, महिलाओं के केश (बाल) मशीन में आने से हुई दुर्घटना (डी-स्केल्पिंग) पर
● मुख्य मण्डी यार्ड, उप मण्डी यार्ड व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित क्रय केन्द्रों पर कृषि यंत्रों का उपयोग करते समय दुर्घटना में मृत्यु या अंग भंग होने पर	● कृषकों/खेतिहर मजदूरों के खेत पर कार्य करते हुए सांप/ऊंट या जहरीले जानवर के काटने पर मृत्यु या अंग भंग होने पर
● मण्डी में बोरियों की धांग लगाते समय मृत्यु या अंग भंग होने पर	● कृषि कार्य करते हुए आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु या अंग भंग होने पर।
● मण्डी प्रांगण में ट्रैक्टर-ट्रोली, ऊंट-लड्ढा, बैल गाड़ी, भैंसा गाड़ी आदि उलट जाने पर दुर्घटना में काश्तकार की मृत्यु या अंग भंग होने पर	● कृषि/विपणन कार्य करते समय रीढ की हड्डी टूट जाने पर
● मण्डी प्रांगण में कार्यरत पल्लेदार/हमाल/मजदूर की मण्डी प्रांगण में कृषि विपणन कार्य करते हुए दुर्घटना में मृत्यु या अंग-भंग होने पर	● कृषि/कृषि विपणन कार्य करते समय सिर में चोट लगने से कोमा में आ जाने पर।
● कृषि, सुरक्षा, पशु, चरायी हेतु पेड़ों की छंगाई, कृषि की रखवाली करते हुए दुर्घटना में मृत्यु होने या अंग-भंग होने पर	● खेत में निर्मित डिग्गी/टांके में डूबने से कृषक/खेतीहर मजदूर की मृत्यु होने पर

मंडी कार्यालय में निर्धारित प्रपत्र पर दुर्घटना होने के 12 माह तक मंडी सचिव को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है।

सहायता राशि

	राशि
⇨ मृत्यु होने पर आश्रित को	2,00,000 रूपये
⇨ दो अंग, जैसे दोनों हाथ, दोनों पांव, दोनों आंख, कोई एक-एक अंग अलग से कटने पर	50,000 रूपये
⇨ रीढ़ की हड्डी टूटने, सिर पर चोट से कोमा में जाने पर (दिनांक 09.10.2024 से लागू)	2,00,000 रूपये
⇨ पुरूष अथवा महिला के सम्पूर्ण सिर के केश (बालों) की डी-स्केल्पिग होने पर	40,000 रूपये
⇨ पुरूष अथवा महिला के सिर के केश (बालों) की आंशिक (छोटे भाग की) डी-स्केल्पिग होने पर	25,000 रूपये
⇨ एक अंग जैसे एक हाथ, पैर, आंख, पंजा, बांह आदि के अंग-भंग होने पर	25,000 रूपये
⇨ चार अंगूली कट जाने पर (पूर्ण रूप से या हिस्से में)	20,000 रूपये
⇨ तीन अंगूली कट जाने पर	15,000 रूपये
⇨ दो अंगूली कट जाने पर	10,000 रूपये
⇨ एक अंगूली कट जाने पर	5,000 रूपये
⇨ मण्डी प्रांगण में कार्यरत हमाल/पल्लेदार/मजदूर को मंडी प्रांगण में कृषि/विपणन कार्य करते समय दुर्घटना में फ्रैक्चर होने पर	10,000 रूपये (दि. 29.09.17 से)
⇨ एक अण्डकोष छिन्न-भिन्न होने पर	25,000 रूपए
⇨ दो अण्डकोष छिन्न भिन्न होने पर	50,000/- रूपए

राजीव गांधी कृषक साथी योजना के सभी प्रकरण अब ऑनलाईन आवेदन तथा ऑनलाईन निस्तारण एवं ऑनलाईन ही सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा।

अन्य जानकारी हेतु कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी) अजमेर , जिला- अजमेर में संपर्क करें

सचिव

आपका स्वास्थ्य :: **झमकू देवी छाजेड़**

सुबह खाली पेट भूलकर भी इन लोगों को केला नहीं खाना चाहिए वरना बिगड़ जाएगी तबियत

किसी भी फल को लिमिटेड मात्रा में ही खाया जाए, तो बढ़िया माना जाता है। कई लोग केला को सुबह खाली पेट नाश्ते की तौर पर बनाना शेक, दूध और केला मिलाकर खाते हैं। रोजाना आप काफी समय से केला खा रहे हैं, यह बिना जाने कि यह आपके सेहत के लिए ठीक है या नहीं।

इन लोगों को सुबह नहीं खाना चाहिए केला केला को सबसे किफायती फूड है, इसे गरीब से लेकर अमीर भी बड़े शौक से खाते हैं। कई लोग अपना वजन बढ़ाने के लिए केला का सेवन हद से ज्यादा करते हैं। केला खाने से भरपूर एनर्जी मिलती है और पेट की भूख भी शांत रहती है। लेकिन कुछ लोगों के लिए यह हेल्दी नहीं है। आस-पास के सबसे अच्छे रेस्टोरेंटविटामिन और फूड सप्लीमेंट खरीदें

पेट की परेशानी जूझ रहे लोग : जिन लोगों को एसिडिटी या गैस की समस्या रहती है, वो लोग सुबह खाली पेट केला न खाएं। ऐसे में जरुरी है कि आप इसका परेहज करें। वरना पेट की परेशानी बढ़ सकती है। केला में कार्बोहाइड्रेट होता है, इसलिए इसे डाइजेशन में दिक्कतें पैदा कर सकता है। ऐसे में उल्टी, पेट दर्द और कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। यदि आप इसका सेवन करें, तो साथ में दूसरे फूड को शामिल करें।

मोटे लोग : केला का सेवन मोटे लोगों के लिए ठीक नहीं है। अगर आप इसे खाली पेट सुबह खाते हैं तो नुकसान हो सकता हैं क्योंकि इससे कार्बोहाइड्रेट और कैलोरीज मिल जाती है, जो वेट गेन का कारण बन जाती है। जो लोग बढ़ते वजन से परेशान है वो सुबह के समय और दिनभर में केवल एक से ज्यादा केला न खाएं।

किस समय खाएं केला : केला खाने का सबसे बेहतर समय दोपहर होता है। क्योंकि इस दौरान अगर आप सुस्त महसूस करते हैं, तो एक केला इंस्टेंट एनर्जी दे सकता है।

सर्दियों में जल्दी डिनर करना सेहत के लिए क्यों फायदेमंद ?

सर्दियों की जल्दी उतरती शामें सिर्फ मौसम नहीं बदलतीं, वे आपकी नींद, मूड और मेटाबॉलिज्म की पूरी टाइमिंग को रीसेट कर देती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ठंड में डिनर का समय आपकी सेहत पर गर्मियों से कहीं ज्यादा असर डालता है। तो क्या सर्दियों में जल्दी खाना ही बेहतर है?

सर्दियों में डिनर का समय महत्वपूर्ण क्यों हो जाता है?

क्योंकि ठंड में रोशनी जल्दी कम होती है, जिससे शरीर की सर्केडियन बॉडी-वॉच जल्दी आराम-मुद्रा में चली जाती है। ऐसे में देर से खाना शरीर की प्राकृतिक लय से टकरा जाता है। नींद हल्की और पाचन धीमा हो जाता है।

अगर देर से खाना खाएं तो क्या नुकसान होता है?

अध्ययन के मुताबिक, देर रात (9-10 बजे) खाना खाने पर ब्लड शुगर 20% तक बढ़ सकता है और फैट-बर्निंग लगभग 10% कम हो जाती है। शरीर उस समय आराम के लिए तैयार होता है, कैलोरी प्रोसेस करने के लिए नहीं।

जल्दी खाना कैसे मदद करता है?

डिनर के 2-3 घंटे बाद सोने से पाचन शांत रहता है, हार्ट रेट स्थिर हो जाती है और नींद गहरी मिलती है। सुबह उठकर ऊर्जा भी ज्यादा महसूस होती है। सर्दियों में विशेषज्ञ शाम 5.30 7.30 तक की विंडो को सबसे बेहतर मानते हैं। दिन में रोशनी के समय नाश्ता-लंच अधिक भरपूर और रात का भोजन हल्का रखना चाहिए।

अनीमिया से बचाएं खुद को

अनीमिया एक साधरण-सी लगने वाली बीमारी है। बॉडी में आयरन की कमी को हम आम बात समझकर इस पर खास ध्यान नहीं देते. हमारी यही लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है।

क्या है अनीमिया: हमारे शरीर के सेल्स को जिंदा रहने के लिए ऑक्सिजन की जरूरत होती है। शरीर के अलग-अलग हिस्सों में ऑक्सिजन रेड ब्लड सेल्स (आरबीसी) में मौजूद हीमोग्लोबिन पहुंचाता है। आयरन की कमी और दूसरी वजहों से रेड ब्लड सेल्स और हीमोग्लोबिन की मात्रा जब शरीर में कम हो जाती है, तो उस स्थिति को अनीमिया कहते हैं। आरबीसी और हीमोग्लोबिन की कमी से सेल्स को ऑक्सिजन नहीं मिल पाती। कार्बोहाइड्रेट और फैट को जलाकर एनर्जी पैदा करने के लिए ऑक्सिजन जरूरी है। ऑक्सीजन की कमी से हमारे शरीर और दिमाग के काम करने की क्षमता पर असर पड़ता है।

क्या हैं कारण: आयरन, विटामिन सी, विटामिन बी 12, प्रोटीन या फॉलिक एसिड की कमी, हेमरेज या लगातार खून बहने से खून की मात्रा कम हो जाना, ब्लड सेल्स का बहुत ज्यादा मात्रा में नष्ट हो जाना या बनने में कमी आ जाना, पेट में कीड़े (राउंड वॉर्म और हुक वॉर्म) होना, लंबी बीमारी जैसे कि पाइल्स आदि, जिनमें खून का लॉस होता हो, पीरियड्स में बुहत ज्यादा ब्लीडिंग, ल्यूकिमिया, थैलीसीमिया आदि की फैमिली हिस्ट्री है, तो 50 फीसदी तक चांस बढ़ जाते हैं, जंक फूड ज्यादा खाने से, एक्ससाइज़ न करने से, प्रेगनेंट महिलाओं का हेल्दी डाइट न लेना।

किन्हें खतरा ज्यादा: किडनी, डायबीटीज, बवासीर, हर्नियाऔर दिल के मरीजों को, शाकाहारी लोगों को, प्रेगनेंट या स्मोकिंग करनेवाली महिलाओं को।

लक्षण: कमजोरी, थकान और चिड़चिड़ापन, किसी भी काम में मन या ध्यान न लगना, दिल की धड़कन नॉर्मल न होना, सांस उखड़ना और चक्कर आना, छोटे-छोटे कामों में भी थकान महसूस होना, आंखें, जीभ, स्किन और होंठ पीले पड़ना। ये सामान्य लक्षण हैं, लेकिन यह स्थिति लगातार बनी रहे तो कई गंभीर लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं जैसे- सिर, छाती या पैरों में दर्द होना, जीभमें जलन होना, मुंह और गला सूखना, मुंह के कोनों पर छाले हो जाना, बालों का कमजोर होकर टूटना, निगलने में तकलीफ होना, स्किन, नाखून और मसूड़ों का पीला पड़ जाना।

ऐसे करें पहचान - अनीमिया के शुरुआती लक्षण बहुत सामान्य होते हैं। मरीज अपनी समस्या पहचान नहीं पाता। डॉक्टर को कमजोरी आदि की शिकायत करता है तो टेस्ट कराए जाते हैं। इसके लिए कंप्लीट ब्लड काउंट (सीबीसी) किया जाता है। इसमें रेड ब्लड सेल और हीमोग्लोबिन का लेवल जांचा जाता है। साल में एक बार यह टेस्ट करा लेना चाहिए।

खानपान पर ध्यान जरूरी: आयरन की डिमांड पूरी करने के लिए हमें हेल्थी और बैलेंस्ड डाइट खानी चाहिए. तीनों मील्स के अलावा दो स्नैक्स भी खाएं और खाने में अंडे, साबुत अनाज, सूखे मेवे, फल और हरी पत्तेदार सब्जियां ज्यादा मात्रा में हों। आयरन से भरपूर चीजें खाएं।

कितनी तरह का अनीमिया: अनीमिया खून की सबसे सामान्य समस्या है। हमारे देश में आयरन की कमी से होने वाला अनीमिया सबसे ज्यादा पाया जाता है। यह तीन तरह का होता है-

1. माइल्ड अगर बॉडी में हीमोग्लोबिन 10 से 11 प्रतिशत के आसपास हो तो इसे माइल्ड अनीमिया कहते हैं। इसमें हेल्थी और बैलेंस्ड डाइट खाने की सलाह के अलावा आयरन सप्लिमेंट्स दिए जाते हैं।

2. मॉडरेट अगर हीमोग्लोबिन 8 से 9 प्रतिशत होगा तो इसे मॉडरेट अनीमिया कहेंगे. इसमें डाइट के साथ-साथ इंजेक्शस भी देने पड़ सकते हैं।

3. सीवियर - हीमोग्लोबिन अगर 8 प्रतिशत से कम हो तो सीवियर अनीमिया कहलाता है, जो एक गंभीर स्थिति होती है। इसमें मरीज की हालत की गंभीरता को देखते हुए ब्लड भी चढ़ाना पड़ सकता है।

पैरों में ऐंठन हो तो हो जाइये सावधान

उम्र के साथ मांसपेशियों और नसों में होने वाले बदलावों के कारण पैरों में ऐंठन की समस्या होने लगी हैं। कई बार रात में अचानक उठने वाली तेज ऐंठन ना केवल नींद खराब करती है, बल्कि लंबे समय तक दर्द भी दे सकती है। उम्र बढ़ने पर मांसपेशियों की फ्लेक्सिबिलिटी घटने लगती है। इसके अलावा शरीर में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स जैसे मैग्नीशियम, पोटैशियम और कैल्शियम की कमी भी इस समस्या को बढ़ाती है। कई बार डायबिटीज, थायरॉयड डिसऑर्डर या नसों की बीमारियों के कारण भी ऐंठन हो सकती है। इसलिए इसे सामान्य उम्र बढ़ने का हिस्सा मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का असंतुलन आम हो जाता है।

आवश्यक सूचना

अखबार में स्वास्थ्य संबंधी बताए गए तरीकों को अपनाने से पहले किसी योग्य चिकित्सक/वैद्य की सलाह अवश्य लेवें। इनको उपयोग में लाने से किसी प्रकार की शारीरिक या मानसिक तथा किसी भी प्रकार क्षति के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं होगा।

भागदौड़ वाली जिंदगी में करें ये प्राणायाम, थकान जाएगी, ऊर्जा आएगी

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हर कोई थकान और तनाव का शिकार हो रहा है। सुबह उठते ही शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सुस्ती महसूस होती है। ऐसे में प्राणायाम बहुत बेहतर तरीका है, जिसके साथ आप अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं। योग विशेषज्ञों के अनुसार, महज 10-15 मिनट का प्राणायाम न सिर्फ शरीर को फिट रखता है, बल्कि उसे डिटॉक्स भी करता है। आयुष मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, प्राणायाम से रक्त संचार तेज होता है, जो थकावट को दूर भगाता है और शरीर में ऊर्जा भर देता है। आइए, जानें तीन सरल प्राणायाम जो आपके दिन को तरोताजा बना देंगे। कपालभाति करने से फेफड़े साफ होते हैं और मांसपेशियां एक्टिव होती हैं, जिससे आंतों में रक्त संचार बढ़ता है और पाचन एंजाइम बेहतर होते हैं। इससे गैस, कब्ज, एसिडिटी, और अपच जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। नियमित अभ्यास से भूख बेहतर लगती है और शरीर में विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं।

अनुलोम-विलोम-अनुलोम-विलोम (नाड़ी शोधन प्राणायाम) करने से शरीर अंदर डिटॉक्स होता है। साथ ही, यह मन को शांत करने और चिंता व तनाव को कम करने में कारगर है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अनुलोम-विलोम नींद की गुणवत्ता बढ़ाता है और एकाग्रता को निखारता है। साथ ही यह 'मानसिक डिटॉक्स' का काम करता है। रोज 10 मिनट से ही आपका मूड पॉजिटिव वेव पर सवार हो जाएगा।

भस्त्रिका- यह एक ऐसा अभ्यास है जो शरीर की गहराई से सफाई करता है। यह शरीर के अंदर जमा हुए विषैले पदार्थ को बाहर निकालता है। इससे शरीर हल्का और ताजा महसूस होता है। आयुर्वेद के अनुसार, हमारे शरीर में तीन दोष होते हैं कफ, पित्त और वात। अगर ये असंतुलित हो जाएं, तो कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं। भस्त्रिका प्राणायाम इन तीनों दोषों को संतुलन में लाने में मदद करता है। यह पाचन को ठीक करता है, सांस को बेहतर बनाता है और दिमाग को शांत करता है।

न्यूज़ इनबॉक्स

देश

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया, कहा कि सामाजिक न्याय की नीतियां उलट दी गई हैं।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एकल उच्च शिक्षा नियामक बनाने वाले बिल को मंजूरी दी - इससे GC, AICTE और NCTE को एक साथ समायोजित करने का प्रस्ताव आगे बढ़ा।
- राहुल गांधी ने बेरोज़गारी और आर्थिक असंतुलन पर केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की है। विपक्ष ने सरकार को महँगाई और रोज़गार संकट पर जवाब देने के लिए मजबूर किया।
- दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन साइहॉक' में कई राज्यों में बड़े साइबर रैकेट का पर्दाफाश किया और हजारों लोगों को हिरासत में लिया गया।
- केरल स्थानीय निकाय चुनावों में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने चार कॉर्पोरेशन और 504 ग्राम पंचायतों पर कब्जा जमाया।
- राहुल गांधी ने संसद में वंदे मातरम बहस के दौरान सरकार पर दबाव बना कहा कि चुनाव सुधारों पर नीति कमजोर हो रही है।
- सुप्रीम कोर्ट ने पति-पत्नी के बीच गुप्त रूप से रिकॉर्ड फोन कॉल्स को तलाक केस में सबूत मानने का फैसला सुनाया।
- दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर क्राइम और मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट का पर्दाफाश किया, 9 गिरफ्तारियां कीं।
- सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार को 40 आतंक पीड़ितों को 5 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया, जिनकी नौकरियां रद्द की गई थीं।
- सुप्रीम कोर्ट ने भूमि के कब्जे वाले को मालिक मानने का फैसला दिया, संपत्ति विवादों में नया मानदंड स्थापित किया।
- गोवा नाइटक्लब अग्निकांड में 25 मौतों के बाद नेताओं ने जिम्मेदारी मांगी, पर्यटन सुरक्षा पर बहस छिड़ी।
- दिल्ली में एयर पॉल्यूशन पर लोकसभा में सर्वसम्मति बनी, सामाजिक स्वास्थ्य पर बहस।
- अरावली पर्वतमाला पर छेड़खानी के खिलाफ आदिवासी आंदोलन तेज, पर्यावरण और सामाजिक न्याय का मुद्दा।
- धुरंधर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ क्लब की ओर कदम बढ़ाया, रणवीर सिंह की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्म बनी।
- RBI ने मौद्रिक नीति में रेपो रेट 25 बीपीएस घटाकर 5.25% न्यूट्रल स्टांस अपनाया, कम ब्याज दरों का आर्थिक विकास वाला दौर शुरू।
- लियोनेल मेसी के कोलकाता में कार्यक्रम के दौरान अफरा-तफरी और स्टेडियम में तोड़फोड़; आयोजकों पर कार्रवाई। हैदराबाद की मुलाकात में फुटबॉल लेजेंड ने राहुल गांधी को अपनी नंबर 10 जर्सी भेंट की।
- धुरंधर फिल्म की सफलता: रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया, दूसरे सप्ताहांत में अच्छी कमाई।
- RBI मौद्रिक नीति: रेपो रेट में कटौती, GDP ग्रोथ अनुमान बढ़ाकर 7.3% किया; मुद्रास्फीति कम रहने की उम्मीद।

प्रदेश

- हनुमानगढ़ टिब्बी में प्रस्तावित एथेनॉल प्लांट के खिलाफ किसानों का हिंसक प्रदर्शन हुआ, पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़पें हुईं। बातचीत पश्चात निर्माण कार्य रूका, पर्यावरण जांच के लिए उच्च-स्तरीय जांच ।
- प्रवासी राजस्थानी दिवस में 1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों की घोषणा, एनआरआर नीति-2025 और विकास पोर्टल लॉन्च ।
- राज्य सरकार के 2 वर्ष पूरे होने पर कई विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया।
- प्रदेश में वायु प्रदूषण (PM 2.5) हालत बिगड़ी, जयपुर-भिवाड़ी सहित कई शहरों में एयर क्वालिटी खराब दर्ज।
- प्रशासन ने AI आधारित TB जांच के लिए ग्रामीण इलाकों में 29 मशीनें लागू कीं।
- जोधपुर जिले के सेतरावा में तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर में नाना-दोहिते की मौत, 7 घायल।
- खाद्य सुरक्षा योजना में 32 लाख अपात्र लोगों को हटाकर 65 लाख नए पात्र लोगों को जोड़ा गया है।
- जयपुर और जोधपुर में सायकालीन कोर्ट शुरू होने से राजस्थान उच्च न्यायालय में हर माह दो कार्य दिवस बढ़ेंगे।
- फेक सर्टिफिकेट बनाकर सरकारी नौकरी पाने वाले छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।
- झुंझुनू में गैंगवार होने से हिस्ट्री शीटर सहित दो की मौत हो गई।
- जयपुर के हनुमान मंदिर में राम भक्त हनुमान को मनाने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी।
- जयपुर में भारतीय सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान की ओर से ऑनर रन मैराथन का आयोजन किया गया।
- पत्नी को मोटरसाइकिल से बांधकर गांव में घसीटा, वीडियो वायरल होने पर पति गिरफ्तार।
- सांभर झील गुलाबी समंदर बनी, लाखों फ्लेमिंगो पक्षियों ने रंगीन नजारा पैदा किया।
- कोटा ईवी शोरूम में भीषण आग लगी, 50 से अधिक इलेक्ट्रिक बाइक जलकर राख।
- जयपुर में कॉमेडी फेस्टिवल शुरू, हर्ष गुजराल ने धुरंधर गाने पर धमाल मचाया।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रवि जैन की माताजी श्रीमती कृष्णा मूणोत की श्रद्धांजलि सभा में अधिकारियों-नेताओं तथा वरिष्ठजनों की उमड़ी भीड़

श्रीमती कृष्णा मूणोत

(पुत्रवधु स्व. श्रीमती भँवरी देवी एवं स्व. श्री सम्पतराज सा मूणोत)

शोक सतंप्त परिवार

शोकाकुल : धनपतराज मूणोत (पति), जगदीश, समर-मनीषा, रवि जैन IAS सोलन (पुत्र-पुत्रवधु), राहुल, निखिल, शशांक, शिखा, लक्ष्य (पौत्र-पौत्री), स्व. शारदा-बिजयराज सा मेहता, सरला-शांतुकुमार सा भंडारी (ननद-नन्दोई)।

पीहर पक्ष : राजेन्द्र सा-मधु सिंघवी (चाचा-चाची), स्व. रमेशचन्द्र सा-किरण सिंघवी, स्व. कमलेशचन्द्र सा- अरूणा सिंघवी, स्व. नरेश चन्द्र सा-किरन सिंघवी (भाई-भाभी), स्व . सुशीला-शिवराज सा हिरन (बहन-बहनोई)

मोबाईल : 9829055252, 9828833330

राजस्थान सरकार के शासन सचिव नगरीय विकास रवि जैन की माताजी श्रीमती कृष्णा मूणोत देवलोक गमन के बाद मोती डूंगरी जैन दादाबाड़ी नसियां जी में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भारी संख्या में नेताओं-अधिकारियों-पत्रकारों व वरिष्ठजनों ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी।

सभा में वरिष्ठ अधिकारियों और परिजनों ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि दी। विधायक रफीक खान, आईएएस जुगल किशोर मीणा, आईएएस भास्कर ए. सावंत, आईएएस आनंद कुमार, आईएएस रश्मि शर्मा, अवधेश सिंह, चंद्रराज सिंघवी (पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा), आईएएस डॉ. सुबोध अग्रवाल, पूर्व आईएएस उज्वल राठौड़, पूर्व आईपीएस राजीव दासोत, जेडीए अतिरिक्त आयुक्त डॉ. प्रिया बलराम शर्मा, आईएएस डॉ. मोहनलाल यादव और मोती डूंगरी मंदिर के महंत कैलाश शर्मा सहित अन्य लोग शामिल हुए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, रिटायर्ड आईएएस दीपक नंदी, दिनेश यादव, वी.पी. सिंह, डीजी पुलिस राजीव शर्मा, आईजी प्रहलाद कृष्णिया, वरिष्ठ पत्रकार मोहन शर्मा, आर.के. जैन सहित भारी संख्या में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों द्वारा जन साधारण तथा समाज के वरिष्ठजनों ने उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। चूंकि सभा में आगमन-प्रस्थान की स्थिति में भी बहुत भीड़ हो गई तथा पूरी मोती डूंगरी रोड में ट्रेफिक जाम हो गया। दादाबाड़ी भवन का हॉल छोटा पड़ा गया। इससे यह दर्शाता है कि सभी वर्गों में रवि जैन जी कितने लोकप्रिय है। परिवारजनों तथा साध्वियों के मंगल प्रवचन ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। शरीर नश्वर है तथा आत्मा अजर अमर है। वो तो विचरण करती ही है। परमपिता परमेश्वर माताश्री को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक सतंप्त परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

मरू राजस्थान सादर नमन करते हुए दिवंगत आत्मा को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

सादर नमन : श्रीमती कृष्णा मूणोत को विनम्र श्रद्धांजलि

आईएएस भास्कर ए.सांवत, आईएएस आनंद कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

शोक सभा में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी, सहयोगी तथा गणमान्य लोग

शोक सभा के दौरान आईएएस रवि जैन और परिजन

शोक सभा में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी, सहयोगी तथा वरिष्ठ समाजसेवी प्रबुद्धजन एवं गणमान्य लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

वरिष्ठ समाजसेवी, प्रबुद्धजन लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

शोक सभा में उपस्थित जैन साध्वियां